

Title: Demanded banning of the film Joru Ka Ghulam.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं भारत सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ। बाल्मिकी समुदाय से जुड़े विभिन्न संगठनों ने केन्द्र सरकार से मांग की है कि "जोरू का गुलाम" फिल्म पर बैन लगाया जाए क्योंकि रामायण के अंधर बाल्मिकी जी को फिल्म में अभिनेता ने डकैत कहा है। ऐसा कह कर उनका अपमान किया गया। मेरा आग्रह है कि इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाया जाए। यदि प्रतिबंध लगाया नहीं जा सकता तो डकैत शब्द को निकालना चाहिए। मैं जानकारी के लिए बताना चाहता हूँ कि बाल्मिकी जी ने रामायण लिखी थी और इसी को लेकर इन्होंने राम स्थापना निकाली थी।

उपाध्यक्ष महोदय: वह फिल्म कौन सी है?

श्री रामदास आठवले : उस फिल्म का नाम जोरू का गुलाम है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री राम नाईक) : वह फिल्म कब निकली?

श्री रामदास आठवले : मेरा अनुरोध है कि इस फिल्म पर बैन लगाया जाए और डकैत शब्द को निकाला जाए।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Rupchand Pal, you are to speak on the killings in Jammu and Kashmir by militants. Now, there are two or three other Members who are also listed to speak on the same subject. I have not allowed them because hon. Prime Minister would be coming here in the afternoon. Shri Subodh Roy is also to speak on the same subject.

SHRI RUPCHAND PAL : All right, Sir. I may be permitted to speak after the Prime Minister's statement.